CHAPTER-2

# दु:ख का अधिकार

QUESTION BANK

## बहुविकल्पीय प्रश्न - (1 X 10 = 10)

**प्रश्न 1 - लेखक किसके रोने का कारण नहीं जान सका ?**

(A) बच्चे के

(B) बुढ़िया के

(C) दूकान वाले के

(D) इनमें से कोई नहीं

**प्रश्न 2 - बुढ़िया के दु:ख को देख कर लेखक को किसकी याद आई ?**

(A) अपनी माँ की

(B) गाँव की

(C) संभ्रांत महिला की

(D) बच्चों की

**प्रश्न 3 - समाज में मनुष्यों का अधिकार और उसका दर्जा कैसे सुनिश्चित होता है ?**

(A) रहन-सहन से

(B) खान-पान से

(C) पोशाक से

(D) क, ख दोनों

**प्रश्न 4 - खरबूजे बेचने वाली बुढ़िया के बेटे का क्या नाम था ?**

(A) भगवाना

(B) भगावना

(C) भागवाना

(D) भागवन

**प्रश्न 5 -पुत्र की मृत्यु के अगले दिन किसे  बाज़ार आना पड़ा ?**

(A) लेखक को

(B) पडोसी को

(C) बुढ़िया को

(D) इन में से किसी को नहीं

**प्रश्न 6 - बुढ़िया को पुत्र की मृत्यु के अगले ही दिन बाज़ार क्यों आना पड़ा ?**

(A) ख़रबूज़े बेचने

(B) सब्ज़ी खरीदने

(C) घूमने

(D) इन में से किसी को नहीं

**प्रश्न 7 - कहानी में किसके मरने पर तरह दिन का सूतक कहा गया है ?**

(A) बच्चे के

(B) स्त्री के

(C) वृद्ध के

(D) पड़ोसी के

**प्रश्न 8 - बुढ़िया के बच्चे की मृत्यु कैसे हुई ?**

(A) दुर्घटना से

(B बिमारी से

(C) साँप के काटने से

(D) खेत में गिरने से

**प्रश्न 9 - कहानी में लोगों ने किसे 'पत्थर दिल' कहा है ?**

(A) लेखक को

(B) बुढ़िया को

(C) भगवाना को

(D) पड़ौसिन को

**प्रश्न 10 - कपड़े में मुँह को छिपाए सिर को घुटनों पर रखकर कौन रो रहा था ?**

(A) लेखक

(B) बुढ़िया

(C) भगवाना

(D) पड़ौसिन

## अति लघुत्तरीय प्रश्न - (1 X 10 = 10)

१. पोशाकें मनुष्य को कैसे बाँटती है?
२. पोशाक कब अड़चन बन जाती है ?
३. पाठ का नाम दु :ख का अधिकार क्यों है?
४. लेखक ने समाज की किस कुप्रथा पर व्यंग्य किया है?
५. भगवाना की माँ के सामने कौन - सी समस्या आ खड़ी हुई ?
६. बुढ़िया को पत्थर दिल क्यों कहा गया ?
७. बुढ़िया क्यों रो रही थी?
८. संभ्रात महिला का क्या दुःख था ?
९. संभ्रात महिला के दुःख को अलग क्यों कहा गया है?
१०. बुढिया के बेटे की मृत्यु कैसे हुई ?

## लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर (2 X 10 = 20)

प्रश्न 1. खरबूजे बेचने वाली महिला पर लोग टिप्पणी क्यों कर रहे थे?
प्रश्न 2. बूढ़ी महिला द्वारा खरबूज़े बेचे जाने को लोग घृणित कार्य क्यों समझ रहे थे?
प्रश्न 3. बुढ़िया को खरबूजे बेचते देख लोग किन-किन विशेषणों का प्रयोग कर रहे थे? उनका ऐसा कहना कितना उचित था?
प्रश्न 4. खरबूजे बेचने आई महिला फफक-फफककर क्यों रोए जा रही थी?
प्रश्न 5. बुढ़िया की उस विवशता का उल्लेख कीजिए जिसके कारण उसे सूतक में भी खरबूजे बेचने आना पड़ा?
प्रश्न 6. आज अच्छी पोशाक की आवश्यकता एवं महत्त्व क्यों बढ़ गया है?
प्रश्न 7. बुढ़िया से खरबूजे खरीदने में लोगों को क्या डर सता रहा था?
प्रश्न 8. अपने बेटे का इलाज ओझा से कराना बुढिया को किस तरह भारी पड़ गया?
प्रश्न 9. भगवाना के इलाज और उसकी विदाई के बाद घर की आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ा?
प्रश्न 10. भगवान का मुँह अँधेरे खरबूज़े तोड़ना किस तरह जानलेवा साबित हुआ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर (5 X 10 = 50)

प्रश्न 1. बुढ़िया के बेटे की मृत्यु से उसे ज्ञान और माल दोनों की हानि हुई। ‘दुख का अधिकार’ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. भगवाना कौन था? उसकी मृत्यु किस तरह हुई ?

प्रश्न 3. कभी-कभी पोशाकें मनुष्य के लिए बाधक सिद्ध होती हैं। ऐसी पोशाकों की तुलना किससे की है और क्यों ?

प्रश्न 4. सूतक’ क्या है? समाज में इसके प्रति क्या धारणा फैली है? ‘दुख का अधिकार’ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. ‘दुख का अधिकार’ पाठ में किस सामाजिक बुराई की ओर संकेत किया गया है? इसके कारणों पर प्रकाश डालते हुए इससे होने वाली हानियों का भी उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 6. ‘दुख का अधिकार’ पाठ का उद्देश्य मानवीय संवेदना जगाना है।’ पाठ के आलोक में स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 7. बाज़ार के लोग खरबूजे बेचनेवाली स्त्री के बारे में क्या-क्या कह रहे थे? अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 8. पास-पड़ोस की दुकानों से पूछने पर लेखक को क्या पता चला?

प्रश्न 9. लड़के को बचाने के लिए बुढ़िया माँ ने क्या-क्या उपाय किए?

प्रश्न 10. लेखक ने बुढ़िया के दुख का अंदाज़ा कैसे लगाया?

EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

## निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए- (5 X 3 = 15)

प्रश्न 1. जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देतीं, उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुक सकने से रोके रहती है।

प्रश्न 2. इनके लिए बेटा-बेटी, खसम-लुगाई, धर्म-ईमान सब रोटी का टुकड़ा है।

प्रश्न 3. शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और ... दुखी होने का भी एक अधिकार होता है।